पंजाब, हिमाचल के गत्ता उद्योग छह दिन रहेंगे बंद

तीन मार्च को दिल्ली में जंतर-मंतर के बाहर होगा जोरदार प्रदर्शन

योगराज भाटिया

बद्दी, 28 फरवरी। उत्तरी राज्यों के गत्ता उत्पादकों की अपनी मांगों को लेकर बद्दी में हल्ला बोल हंगामी बैठक हुई उसमें पेपर मिल मालिकों के खिलाफ मोर्चा खोलने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में हिमाचल के अलावा पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, गुजरात, यूपी, उत्तरांचल व चंडीगढ़ के तीन सौ से ज्यादा गत्ता उत्पादकों ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पेपर मालिकों द्वारा पेपर का 20 फीसदी रेट बढ़ा देने से पंजाब और हिमाचल प्रदेश के सैकड़ों गत्ता उत्पादक छह दिन की सांकेतिक हड़ताल पर जायेंगे।

संयुक्त संघर्ष समिति के चेयरमैन व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश मदान, पंजाब इकाई के प्रधान आर पी सिंह, हिमाचल चैप्टर के प्रधान देवेंद सहगल, उपाध्यक्ष मुकेश जैन व सुरेंद्र जैन ने बताया कि हमने 8 से 13 मार्च तक हिमाचल व पंजाब के सभी गत्ता उद्योग बंद रखने का निर्णय लिया है और इस दौरान पेपर मिलों से किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं किया जाएगा। हड़ताल के दौरान किसी भी अन्य कारखाने को पेटियां सप्लाई नहीं किया जायेंगी और न ही अन्य प्रदेशों से पेपर अंदर आने दिया जाएगा। गुस्साए उद्योग नेताओं ने कहा कि हमें बार-बार पेपर मिलों की ओर से जलील किया जा रहा है और हम पर मनमाने रेट थोपे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब चाहे रेट बढ़ा देना इनकी फितरत हो चुका है। उन्होंने कहा कि हम हड़ताल नहीं करना चाहते और हमारा उद्देश्य अपने वेंडर व उपभोक्ताओं को परेशान करना नहीं बल्कि मिल मालिकों की कथित दादागिरी के प्रति आंखें खोलना है। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से उत्तरी राज्यों के मिल मालिकों ने पेपर के दामों में आशातीत वृद्धि की है और रेट बढ़ाना उनके लिए आम बात है।

मुकेश जैन ने कहा कि मिल मालिक हर पंद्रह दिन बाद पेपर का रेट बढ़ा देते हैं और जब हम बढ़े हुए रेटों के हिसाब से अपने उपभोगताओं को कहते हैं तो वह उस पर विचार करने को कहते हैं। जब तक हमारा वेंडर उस पर विचार कर रहा होता है तब तक पेपर मिल मालिक और ज्यादा रेट बढ़ा देते हैं। महासचिव सुरेंद्र जैन ने कहा कि पेपर मिल मालिक महीने में जानबूझकर पांच दिन अपनी मिलें बंद रखते हैं ताकि पेपर की कमी पैदा हो जाए और जब हम कच्चे माल की डिमांड करेंगे तो कहते हैं कि अगर महंगा पेपर लेना है तो मिलेगा नहीं तो मत लो। उन्होंने कहा कि पेपर मिल मालिक हमें ब्लैकमेल करके अपनी जेबें भर रहे हैं और जानबूझकर हमें गुमराह करने की कोशिश की जा रहा है। पूर्व राष्ट्रीय प्रधान गत्ता उत्पादक संघ हरीश मदान ने कहा कि इससे पहले हम सभी सात राज्य मिलकर तीन मार्च को जंतर मंतर के आगे भारी संख्या में जुटेंगे और वहां पर प्रदर्शन करेंगे तथा सरकार को कंपीटीशन एक्ट के तहत कार्यवाही करने को बाध्य करेंगे ताकि मिल मालिक अपनी दादागिरी न कर सकें।

प्रदर्शन के बाद उद्योग तथा बाणिज्य विभाग के केंद्रीय मंत्रियों को भी एक ज्ञापन सौंपा जाएगा जिसमें नार्थ इंडिया के पांच हजार कारखानों का पक्ष मजबूत से रखा जाएगा।

पंजाब के प्रधान आर पी सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार का एमएसएमई विभाग भी हमारी मदद करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा कि सेब सीजन शुरू होने वाला है और हिमाचल में हर वर्ष ढाई करोड़ पेटियों की खपत होती है। अगर पेपर मिलों ने अपने दामों में कटौती नहीं की तो हिमाचल के बागवानों पर बीस करोड़ रूपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

बी.बी जैन ने कहा कि वेस्ट पेपर व रद्दी का रेट कम हुआ है जो कि पेपर मिलों का कच्चा माल है लेकिन फिर भी दाम बढ़ाने का डंडा हमारे सिर पर लटकाया जा रहा है जो कि अनुचित है। बीबीएन इकाई के कोषाध्यक्ष बी.बी जैन ने कहा कि पेपर का रेट बढ़ाने के पीछे पारदर्शिता होनी चाहिए और इसके पीछे मिल मालिकों को तर्क देना चाहिए। इस दौरान भारत की दो पेपर मिलों को ब्लैक लिस्ट करने का निर्णय भी लिया गया जिसमें एक मिल बद्दी की भी है। इस अवसर पर अजय चौधरी, मुकेश कुमार, सुशील सिंगला, बलदेव गोयल, भारत भूषण, अभिषेक लोहाटी, बालकिशन सिंगला, मुनीष गर्ग, विकास, मोहित, वीके गोयल, राजन ठाकुर, बलजीत, अजय किशारे व पंकज मित्तल ने भी अपने विचार रखे।

उत्तर भारत के गत्ता उत्पादक रविवार को हल्ला बोल बैठक में सदस्यों को संबोधि